



  
Rangoon  
Girly

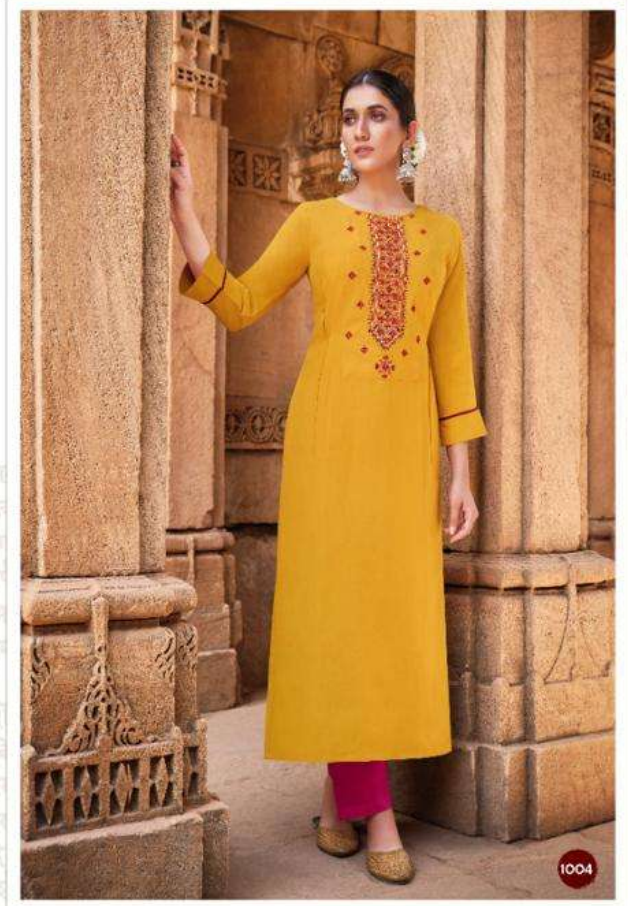
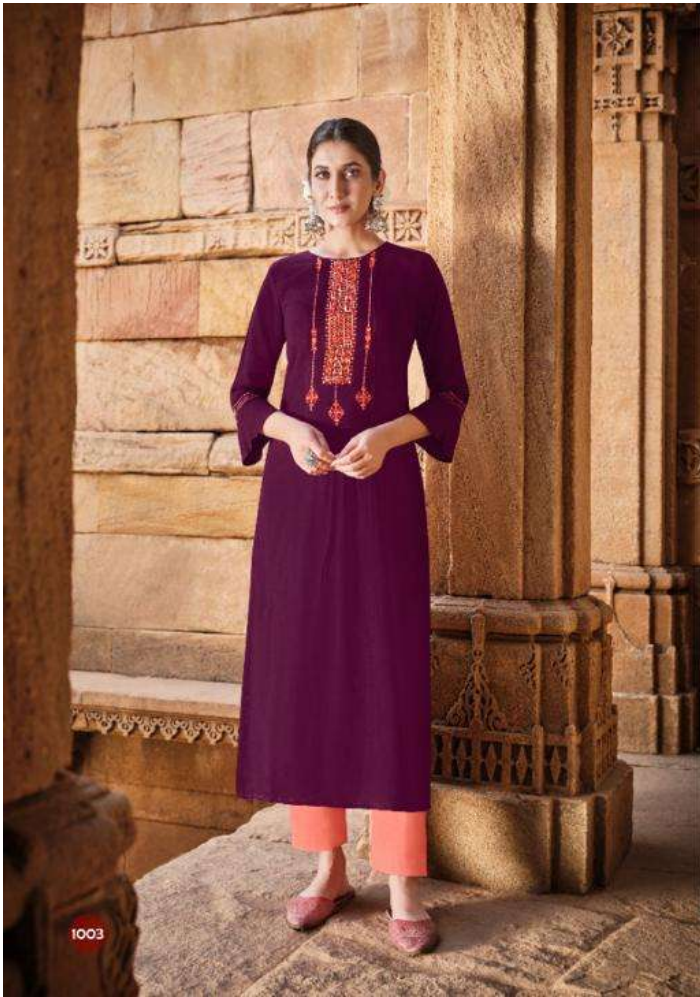


प्रायः एक ही अङ्गमें ही सफला कठिन धा, अता करवरी और मार्ग मालां  
भी प्रथमः प्रथम और वितीय परिशिष्टाणके रूपमें प्रकटित होते। दोनों परिशिष्ट  
अङ्गको  
सत्त्व,  
नी मह  
आदि  
द्वारा  
य इस  
य थी

द्वारा  
य इस  
श्रीरामभक्तिके सुन्दर और रोचक आख्यान भी इसमें विद्यमान है। भगवान् श्रीरामकी  
प्रसन्न स्थानों, पर्वतों, नदियों एवं सरोवरोंका माहात्म्य तथा श्रीरामके जन्मसमय का







पिक्ट और संपर्ण प्रतिष्ठितमिने मुज  
न प  
रुषा  
पक  
क  
दप  
श्री  
पुन  
भ  
द 1 3  
प्र  
मके  
ल्लत  
सुरोव

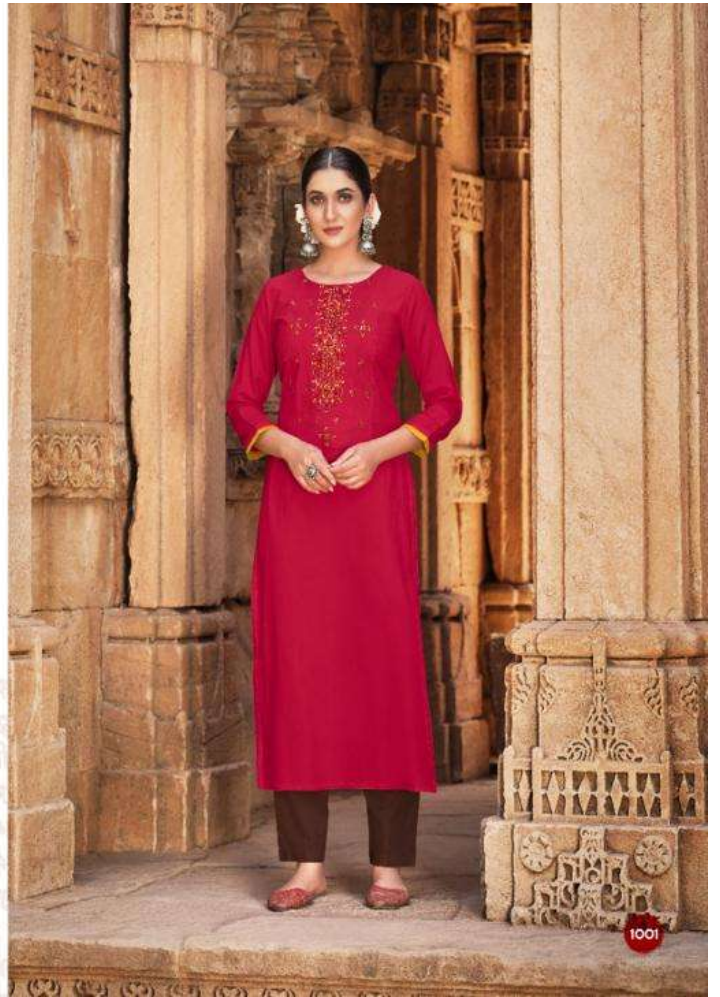
भ  
आ  
सी  
रिस  
रकर  
मं  
दर  
श्री  
मद  
विपाहिम ह । भारत दध तथा हिद् समाज

विपाहिम ह । भारत दध तथा हिद् समाज

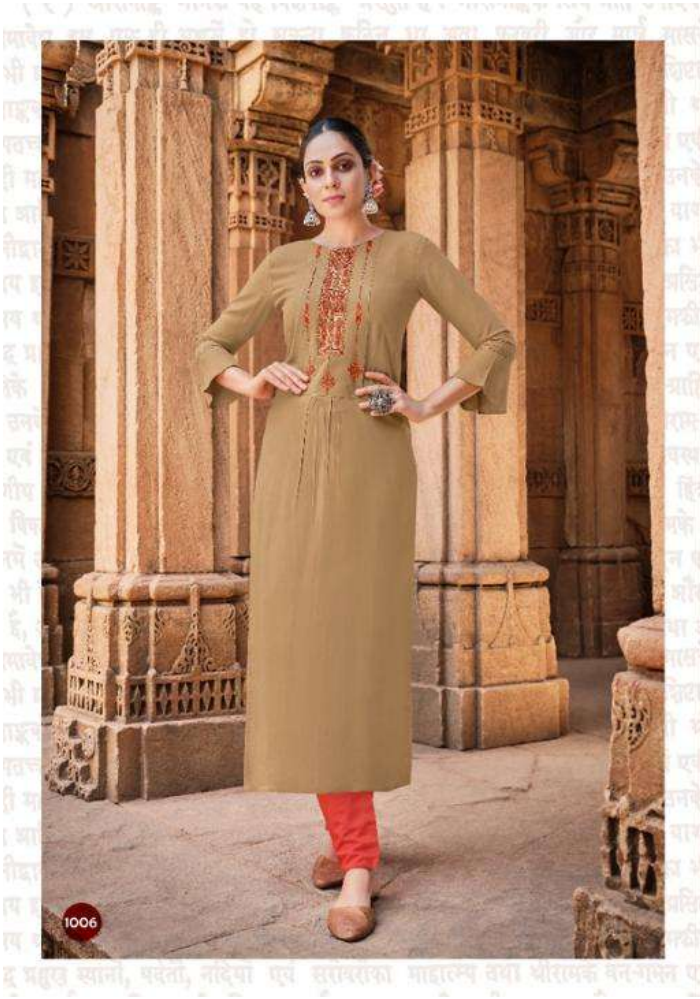
मे भगवान् भीरम और भगवती भीतीलाके  
के कीर्तनालीय आनयो विपदो मय भक्तोके  
भीर  
भीर  
दरिद्रो  
नरिफ  
हसमे  
साहा



पि दुलन इदना यथा द १ भगवान् आरामके  
एव भीरामभक्तके सुन्दर और रोचक आरुमा





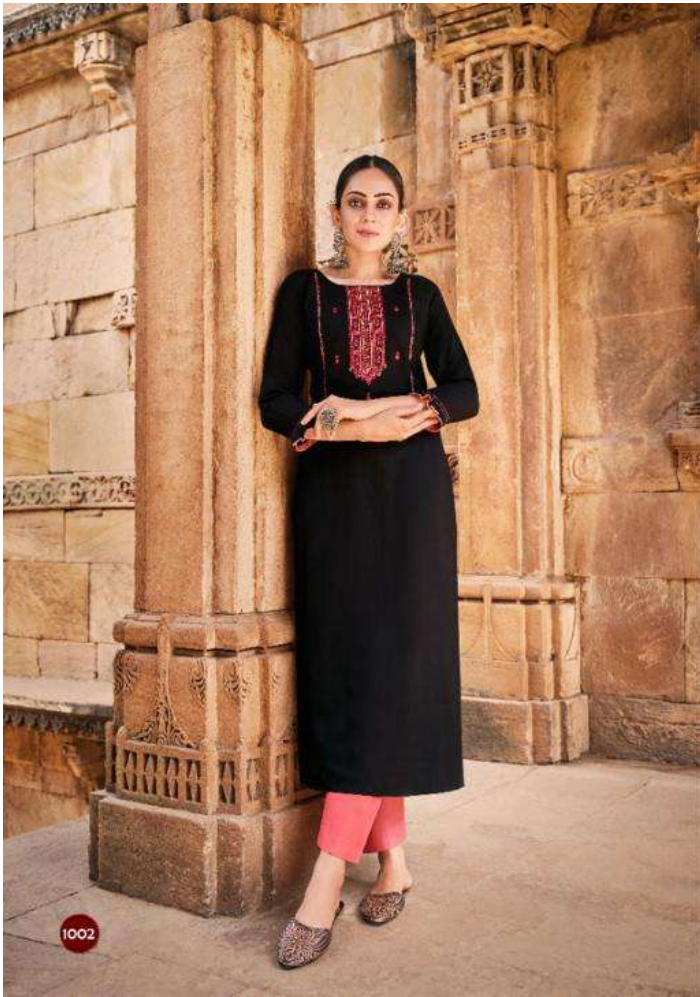


1006









( २ ) 'भारतमाहा' नामक पद्य प्रकाशक  
मावेष्ट हस्त एक ही अक्षरों से सुकनरा व

विद्या  
। श्री  
तत्पर  
हुंमे  
। है।  
के प्र  
समके  
आस्था  
सरोव  
। है।  
मन्त्र  
वांशी  
वर्ष  
सुनर  
तन व  
तमस्व  
माभ्या  
नर व  
विद्या  
। श्री  
तत्पर  
हुंमे  
। है।  
के प्र  
समके

( ३ ) 'भारतमाहा' नामक सुन्दर नामक 'भारतमा'  
ह प्रसूक्त स्थानों, पर्वतों, नदियों एवं सरोव